GRADE- IX

TIME : THREE HOURS | ASSESSMENT I | HINDI
MM- 80

(Answer to this paper must be written on the paper provided separately)

You will not allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

This time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answer.

This paper comprises of two section- section A and section B .

Attempt all the questions from section A and B

The intended marks for questions or part of questions are given in bracket ( )

Downloaded From www.icseboard.org

SECTION – A (40 MARKS)

(Attempt all questions from this Section)

Question 1.

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics :-

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। **(15)**

1- ईमानदारी बरगद के पेड़ की तरह होती है जिसका प्रभाव देर से पड़ता है परंतु चिरस्थाई होता है। उपयुक्त कथन को स्पष्ट करते हुए ईमानदारी पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

2- एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए, जिसके अंत में आपके विचार से यह स्पष्ट हो कि 'बिना विचारे जो करे सो पाछे पछताए।'

3- "काम को कल पर डालने से मन का भारीपन बढ़ता है, जबकि कल करने वाले काम को आज ही पूरा कर लेने से हमारी कार्य क्षमता बढ़ती है और मानसिक संतोष भी प्राप्त होता है।" बताइए कि एक विद्यार्थी के लिए समय का क्या महत्व है?

4- आपके विद्यालय में एक मेले का आयोजन किया गया था। यह किस अवसर पर, किस उद्देश्य से किया गया था? उसके लिए आपने क्या-क्या तैयारियाँ की? आपने और आपके मित्रों ने एवं शिक्षकों ने उसमें क्या सहयोग दिया था? इन बिंदुओं को आधार बनाकर एक प्रस्ताव विस्तार से लिखिए।

प्र ५. चित्र वर्णन

Question 2.

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below :-

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए **(7)**

1- ओलंपिक में अपने देश के बढ़ते कदम देखकर आपको बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। इस वर्ष के ओलंपिक की उपलब्धियों को बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

2- अपने शहर के स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखकर अपने क्षेत्र की सफाई का अनुरोध कीजिए।

Question 3.

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow , using your own words as far as possible :- **(10)**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए ।

बात बहुत पुरानी है। एक बार कबीरदास जी तीर्थयात्रा पर जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने देखा कि एक स्थान पर भीड़ लगी थी और लोग शोर मचा रहे थे। कबीर के मन में उत्सुकता जागी। वे इस शोर का कारण जानने के लिए व्यग्र हो । भीड़ को चीरते हुए अंदर गए। उन्होंने देखा एक व्यक्ति वहाँ गिरा पड़ा था और कुछ लोग एक साथ उसे पीट रहे थे। गिरने वाला व्यक्ति एक साधारण नागरिक लगता था। कबीर ने उन्हें रोका। उन्होंने एक व्यक्ति से पूछा, “भाई, इस व्यक्ति से कौन-सा अपराध हो गया है जो इतना पीट रहे हो?” उसने बताया- महात्मन, यह चोर है”। कबीर जब तक कुछ बोल पाते तब तक दूसरा व्यक्ति बोल उठा, “यह विश्वासघाती है। इसने अपने स्वामी के घर में चोरी की है। महा अंधेर है कलियुग

Downloaded From www.icseboard.org

बोला, "देखते क्या हो, जूतों की मार से इसकी खोपड़ी गंजी कर दो।" इतना सुनते ही सभी उसे बेचारे पर टूट पड़े।

कबीर यह सब देख और सुन रहे थे। वे अनुभवी थे। उन्होंने कहा, "ठहरो! यह सत्य है कि इस व्यक्ति ने चोरी की है, अतः इसे दंड मिलना चाहिए, किंतु एक शर्त है। इसे दंड देने का अधिकार केवल उस व्यक्ति को होगा जिसने कभी चोरी न की हो। कभी कोई पाप न किया हो"। यह सुनते ही सबको जैसे काठ मार गया। एक-एक करके वे चुपके-चुपके अपने-अपने घर की ओर चल दिए। केवल एक दर्शक शेष रह गया। चोर जो अभी तक मौन था बोला, "मेरा मालिक मुझसे दिनभर काम कराता था लेकिन खाना एक ही बार देता था और वह भी पेट भरकर नहीं। मुझे बहुत भूख लगी थी इसलिए मैंने कटहल चुराए थे।" "चोरी तो चोरी है वह चाहे किसी भी कारण से की हो।"- कबीर ने कहा। एक बचे हुए दर्शक ने कबीर से प्रार्थना की, "महात्मन आपने तो अपने जीवन में कभी चोरी नहीं की, अतः आप ही इसे दंड दीजिए।" कबीर बोल उठे, "अरे मैं भी सभी की तरह चोर हूँ।" फिर कबीर भी गुनगुनाते हुए एक ओर चल दिए।

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।

जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।

अपने व्यवहार और कथन से कबीर एक बहुत बड़ा सत्य उजागर कर गए। संतजन ऐसे ही सत्य और अच्छाई का प्रतिपादन किया करते हैं।

1- कबीर कहाँ जा रहे थे उन्होंने मार्ग में क्या देखा ?

2- कबीर ने क्या पूछा? उन्हें कौन -सी जानकारी किस प्रकार दी गई?

3- उसे व्यक्ति ने चोरी क्यों की थी? कबीर ने उसे किस प्रकार बचाया?

4- अंत में वहाँ कौन बचा? उसने कबीर से क्या कहा?

5- कबीर क्या गुनगुनाते हुए वहाँ से चले गए? उन्होंने किस सत्य का प्रतिपादन किया?

Question 4.

Answer the following according to the instructions given:-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

1- अतिथि शब्द का भाववाचक संज्ञा क्या होगा ? (1)

आतिथ्य , अभिनेता , आदि , अतीथिय

2- समिति शब्द का बहुवचन क्या होगा? (1)

सुमिती , समितियौं , समितियाँ , समतिया

Downloaded From www.icseboard.org

5- दिए गए वाक्यों में निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए -

राहुल खाना खाकर सो गया। (वाक्य का काल बताइए) (1)

6- निम्न में से शुद्ध वाक्य कौन-सा है? (1)

हम खाना खा लिए हैं। हमने खाना खा लिया है।

खाना हमने खा लिया है। खा लिया है खाना हमने।

7- वाक्य के कितने अंग होते हैं ? (1)

एक , दो , तीन , चार

8- जो इस संसार का नहीं है। उसे क्या कहते हैं? (1)

अल्पभाषी , आत्मघाती , अलौकिक , अतुलनीय

Section –B (40 Marks)

(Attempt four questions from this Section)

साहित्य सागर (संक्षिप्त कहानियाँ)

नोट:- किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

Question 5. Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow-

" रुपया कमाने का यह कितना आसान तरीका है। मैं सारा दिन मजदूरी करता हूँ तब महीने भर बाद दस रुपये हाथ आते हैं।"

1. इस कथन का वक्ता कौन है और वह क्या करता है? (2)
2. मैं सारा दिन मजदूरी करता हूँ यह विचार वक्ता के दिमाग में कब और क्यों आया ? (2)
3. प्रस्तुत वाक्य में रुपया कमाने का आसान तरीका किसे बताया गया और क्यों? (3)
4. इस वाक्य का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। (3)

Question 6.

" क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी- जवानी- जिंदगी सब कुछ होम कर देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है।"

1- 'नेताजी का चश्मा' कहानी हमें क्या संदेश देती है अपने विचार लिखिए? (2)

2- "अपना सब कुछ होम कर दिया" यह कथन किस पात्र पर सटीक बैठता है? (2)

3- उपरोक्त कथन में किस बात पर चिंता व्यक्त की गई है? (3)

Downloaded From: www.icseboard.org

". बात तो बहुत अच्छी है, परंतु एक कठिनता है। यह डोर पतली है। इसे पड़कर काकी उतर नहीं सकती। इसके टूट जाने का डर है। पतंग में मोटी रस्सी हो तो सब ठीक हो जाएगा।"

1- कथन का वक्ता व श्रोता कौन है और उसने कठिनता दूर करने के लिए क्या किया? (2)

2. 'बात तो बहुत अच्छी है।' यहाँ किस बात की ओर संकेत किया गया है? **(2)**

3. कठिनाई क्या आ रही थी व इसे दूर करने के लिए क्या सुझाव दिया गया है? **(3)**

4. इस अवतरण से बच्चों के किस स्वभाव का पता चलता है? **(3)**

साहित्य सागर (पद्य)

Question 8. Read the extract given below and answer in Hindi the question that follow-

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े काके लागू पाँय।
बलिहारी गुरु आपनो गोबिंद दियौ बताय।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नहीं।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

1. कबीर किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? **(2)**
2. कबीर किसके ऊपर न्योछावर हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? **(2)**
3. ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कबीर हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? **(3)**
4. 'साँकरी' शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली से कबीर का क्या तात्पर्य है? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते? समझाइए। **(3)**

Question 9-

प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर भोख सकें जो उन्हें जगत में, कहाँ अभी इतने नर? सब हो सकते तुष्ट एक सा सब सुख पा सकते हैं चाहे तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं।

Downloaded From www.icseboard.org

4. धरती को स्वर्ग कैसे बना सकते हैं? (3)

Question 10-

लाठी में गुण बहुत हैं, सदा राखिये संग।
गहरी, नदी, नारी जहाँ, वहाँ बचावै अंग।।
वहाँ बचावै अंग, झपटी कुत्ता कहँ मारै।
दुश्मन दावागीर, होयँ तिनहूँ को झारै।।
कह 'गिरिधर कविराय' सुनो हो धूर के बाठी।
सब है हथियार न छाँड़ि, हाथ महँ लीजै लाठी।।

1- इस कुंडली में किसकी उपयोगिता बताई गई है? कवि ने किस समय मनुष्य को लाठी रखने का परामर्श दिया है? (2)

2- लाठी हमारे शरीर की सुरक्षा किस प्रकार करती है? (2)

3- लाठी किन तीनों से निपटने में सहायक होती है और किस प्रकार? (3)

4- कवि सब हथियार छोड़कर लाठी लेने की बात क्यों कर रहे हैं? अपने विचार व्यक्त करते हुए कुंडलियाँ लेखन का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए? (3)

---

https://www.icseonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

Downloaded From www.icseboard.org